५ : अक्षरों का महत्व

प्रश्नावली

निबंध से:

प्रश्न 1: पाठ में ऐसा क्यों कहा गया है कि अक्षरों के साथ एक नए युग की शुरुआत हुई ?

प्रश्न 2: अक्षरों की खोज का सिलसिला कब और कैसे शुरू हुआ ? पाठ पढ़कर उत्तर लिखो।

प्रश्न 3:अक्षरों के ज्ञान से पहले मनुष्य अपनी बात को दूर-दराज़ के इलाकों तक पहुँचाने के लिए किन-किन माध्यमों का सहारा लेता था ?

निबंध से आगे:

प्रश्न 1: अक्षरों के महत्त्व की तरह ध्वनि के महत्त्व के बारे में जितना जानते हो, लिखो।

प्रश्न 2: मौखिक भाषा का जीवन में क्या महत्त्व होता है ? इस पर शिक्षक के साथ कक्षा में बातचीत करो।

प्रश्न 3: हर वैज्ञानिक खोज के साथ किसी-न-किसी वैज्ञानिक का नाम जुड़ा होता है , लेकिन अक्षरों के साथ ऐसा नहीं है, क्यों ? पता करो और शिक्षक को बताओ।

प्रश्न 4: एक भाषा को कई लिपियों में लिखा जा सकता है। उसी तरह कई भाषाओं को एक ही लिपि में लिखा जा सकता है। नीचे एक ही बात को

अलग-अलग भाषाओं में लिखा गया है।इन्हें ध्यान से देखों और इनमें दिए गए वर्णों की मदद से कोई नया शब्द बनाने की कोशिश करो-

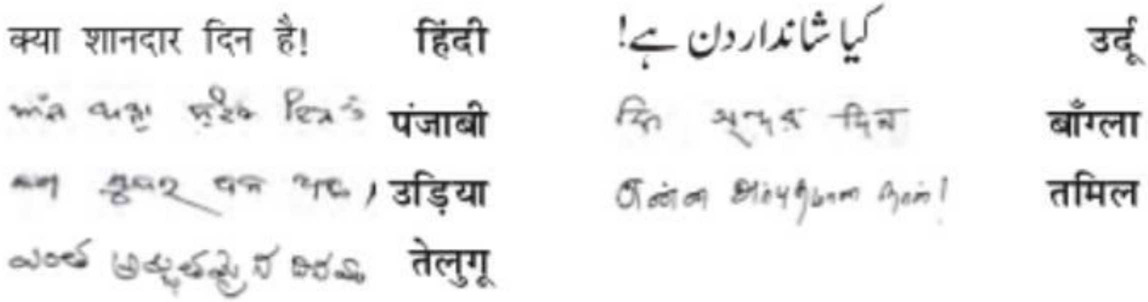

<u>अनुमान और कल्पना</u>:

प्रश्न 1: पुराने ज़माने में लोग यह क्यों सोचते थे कि अक्षर और भाषा की खोज ईश्वर ने की थी ? अनुमान लगाओ और बताओ।

प्रश्न 2: अक्षरों के महत्त्व के साथ ही मनुष्य के जीवन में गीत, नृत्य और खेलों का भी महत्त्व है। कक्षा में समूह में बातचित करके इनके महत्त्व के बारे में जानकारी इकट्ठी करो और कक्षा में प्रस्तुत करो।

प्रश्न 3: क्या होता अगर....

(1) हमारे पास अक्षर न होते

(2) भाषा न होती

<u>भाषा की बात</u>:

प्रश्न 1: <u>अनादि</u> काल में रेखांकित शब्द का अर्थ है जिसकी कोई शुरुआत या आदि न हो। यह शब्द मूल शब्द के शुरू में कुछ जोड़ने से बना है।

इसे उपसर्ग कहते हैं। इन उपसर्गों को अलग अलग करके मूल शब्दों को लिखकर उनका अर्थ समझो –

असफल ....

अनुचित ....

अपरिचित ....

अदृश्य ....

अनावश्यक ....

अनिच्छा ....

प्रश्न 2: वैसे तो संख्याएँ संज्ञा होती हैं पर कभी-कभी ये विशेषण का काम भी करती हैं, जैसे नीचे लिखे वाक्य में –

- हमारी धरती लगभग पाँच अरब साल पुरानी है।
- कोई दस हज़ार साल पहले आदमी ने गाँवों को बसाना शुरू किया।

इन वाक्यों में रेखांकित अंश 'साल' संज्ञा के बारे में विशेष जानकारी दे रहे हैं , इसलिए संख्यावाचक विशेषण हैं। संख्यावाचक विशेषण का इस्तेमाल उन्हीं चीज़ों के लिए होता है जिन्हें गिना जा सके , जैसे-चार संतरे, पाँच बच्चे, तीन शहर आदि। पर यदि किसी चीज़ को गिना नहीं जा सकता तो उसके साथ संख्या वाले शब्दों के अलावा मापतोल आदि के शब्दों का इस्तेमाल भी किया जाता है –

- तीन जग पानी
- एक किलो चीनी

यहाँ रेखांकित हिस्से परिमाणवाचक विशेषण हैं क्योंकि इनका संबंध मापतोल से है। अब आगे लिखे हुए को पढ़ो। खाली स्थानों में दिए गए मापतोल के उचित शब्द छाँटकर लिखो।

प्याला	**कटोरी**	**एकड़**	**मीटर**
लीटर	**किलो**	**टक**	**चम्मच**

तीन .... खीर

छह .... कपड़ा

दो .... कॉफ़ी

एक .... दूध

दो .... ज़मीन

एक .... रेत

पाँच .... बाजरा

तीन .... तेल

<u>कुछ करने को:</u>

प्रश्न 1: अपनी लिपि के कुछ अक्षरों के बारे में जानकारी इकट्ठी करो-

(क) जो अब प्रयोग में नहीं रहे।

(ख) प्रचलित नए अक्षर जो अब प्रयोग में आ गए हैं।

प्रश्न 2: लिखित और मौखिक भाषा के हानि-लाभ के बारे में दोस्तों के बीच चर्चा करो।

प्रश्न 3: अक्षर ध्वनियों (स्वरों और व्यंजनों) के प्रतीक होते हैं।उदाहरण के लिए 'हिंदी' 'उर्दू' और 'बाँगला' आदि शब्दों में प्रत्येक अक्षर के लिए उसकी ध्वनि निर्धारित है। कुछ चित्रों से भी संकेत व्यक्त होते हैं। नीचे कुछ चित्र दिए गए हैं। उनसे क्या संकेत व्यक्त होते हैं, बताओ-

प्रश्न 4: अपने आस-पास के किसी मूक-बधिर बच्चों के स्कूल में जाकर कुछ समय बिताओ और अपने अनुभव लिखो।

उत्तर

<u>निबंध से</u>:

उत्तर 1: पाठ में लेखक के अनुसार अक्षरों के साथ एक नया युग शुरू हुइ हैं। उनके अनुसार अक्षरों के खोज से आदमी 'सभ्य' कहा गया। आदमी अपनी सभी कार्यों का हिसाब-किताब को रखने लगा और उसके साथ - साथ अपनी विचार को भी लिखना शुरू कर दी। आदमी जब से लिखना शुरू कर दिया तब से इतिहास का आरंभ हुआ। किसी कौम या देश का इतिहास तब से शुरू होता है जबसे आदमी के लिखे हुए लेख मिलने लग जाती हैं।

उत्तर 2: मानव ने सबसे पहले अपनी अभिप्राय को चित्रों के सहायता से अभिवयक्त किया। जैसे पशु ,पक्षियों ,आदमियों आदि के चित्र। इसके बाद में भाव-संकेत का उपयोग होने लगा। जैसे सूर्य का चित्र बनाने से दूप या ताप का द्योतक बन गया। इस तरह अनेक भावनाओं का जन्म हुआ। तब जाकर छह साल के बाद आदमी ने अक्षरों की खोज की।

उत्तर 3: अक्षरों के ज्ञान से पहले मनुष्य अपनी बात को दूर-दराज़ के इलाकों तक पहुँचाने के लिए चित्रों के सहायता से अभिवयक्त करते थे। जैसे पशु , पक्षियाँ, आदमियों आदि के चित्र।

<u>निबंध से आगे</u>:

उत्तर 1: ध्वनि भाषा की एक हिस्सा है।अक्षरों को जोड़ने से ही भाषा बनती है और उनका उच्चारण से ही ध्वनि बन जाती हैं। जैसे हम अक्षरों को लिखकर प्रकट करते है अपनी भावनाओं को वैसे ही अपनी ध्वनि कि सहायता से अपनी अभिप्राय को बोल सकते हैं।इसलिए अक्षर के समान ध्वनि भी महत्त्वपूर्ण हैं।

उत्तर 2: मौखिक भाषा सभी के जीवन में मुख्य पात्र निभाता है। हम प्रति क्षण हमारे भावनाओं को लिखकर प्रकट नहीं कर सकते इसलिए मौखिक भाषा बहुत ही मुख्य हैं।

उत्तर 3: हर वैज्ञानिक खोज के पीछे वैज्ञानी का नाम जुड़ा होता है क्योंकि, ये तबकी बात है जब मनुष्य अपनी किया हुआ काम का हिसाब –किताब रखने लगे।

उत्तर 4: छात्र स्वयं करें।

<u>अनुमान और कल्पना</u>:

उत्तर 1: पुराने ज़माने के लोग इसलिए सोचते थे क्योंकि अक्षरों के खोज के ऊपर कोई इतिहास या प्रमाण नहीं हैं।

उत्तर 2: अक्षरों के साथ-साथ मनुष्य अपनी भावनाओं को गीत, नृत्य और कला के रूप में भी व्यक्त करने लगे। खेल भी मनुष्य को अपनी ख़ुशी और मनोरंजन के लिए करना शुरू किया।

उत्तर 3: यदि हमें अक्षरों का ज्ञान न होता तो :

- हम हमारे इतिहास को न जान पाते थे और न ही लिख पाते थे।
- हम हमारे पूर्वजों से कुछ नहीं सीख सकते थे।
- हमारी विकास तेज़ी से न होता।

भाषा की बात:

उत्तर 1:

असफल – सफल

अनुचित - उचित

अपरिचित- परिचित

अदृश्य – दृश्य

अनावश्यक – आवश्यक

अनिच्छा – इच्छा

उत्तर 2:

तीन कटोरी खीर

छह मीटर कपड़ा

दो प्याला कॉफ़ी

एक लीटर दूध

दो एकड़ ज़मीन

एक ट्रक रेत

पाँच किलो बाजरा

तीन चमच्च तेल

कुछ करने को:

उत्तर 1: छात्र स्वयं करें
उत्तर 2: छात्र स्वयं करें
उत्तर 3: छात्र स्वयं करें
उत्तर 4: छात्र स्वयं करें